संख्या-41/2020/747/71-3-2020-कोविड-06/2020टी0सी0

प्रेषक,

अमित गुप्ता,
सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण,
उ0प्र0, लखनऊ।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-3 **लखनऊ : दिनॉक 16 जुलाई, 2020**

विषयः- वित्तीय वर्ष 2020-21 में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, अयोध्या/बस्ती/बहराइच/ फिरोजाबाद में बी0एस0एल0-2 लैब की स्थापना/रिनोवेशन कार्य हेतु धनराशि अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-एमई/बजट/2020-21/177, दिनॉक 10-07-2020 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों यथा- अयोध्या/बस्ती/बहराइच/फिरोजाबाद में कोविड-19 से संक्रमित एंव इमरजेंसी मरीजों के सैम्पल जॉच हेतु बी0एस0एल0-2 लैब की स्थापना/रिनोवेशन हेतु वित्तीय वर्ष 2020-21 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत राजस्व लेखा पक्ष में लेखाशीर्षक-"2210-05-105-03" 20-सहायता अनुदान सामान्य (गैर वेतन) मद में उपलब्ध धनराशि के सापेक्ष लोक निर्माण विभाग के आगणन पर मूल्यांकन समिति द्वारा आंकलित लागत के सापेक्ष निम्न विवरणानुसार धनराशि व्यय किये जाने की राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है:-

(धनराशि रू0 लाख में)

क्र0 सं0	मेडिकल कालेज का नाम	अनुमोदित लागत	स्वीकृत धनराशि
1	स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, अयोध्या	30.32	30.32
2	स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बस्ती	10.75	10.75
3	स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बहराइच	40.80	40.80
4	स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, फिरोजाबाद।	11.81	11.81
	योग-	**93.68**	**93.68**

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्हीं कार्यो/मदों में किया जायेगा, जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है, किन्ही अन्य कार्यो/मदों पर धनराशि का व्यय अथवा व्ययावर्तन वित्तीय अनियमितता मानी जायेगी।
2. प्रायोजना का निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि में अवश्य पूर्ण कर लिया जाय।
3. कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी प्रधानाचार्य/कार्यदायी संस्था की होगी।
4. अवमुक्त धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार करते हुए व्यय नियमानुसार किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को पी0एल0ए0/बैंक खाते/डाकघर में नहीं रखा जायेगा।
5. वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप दिनॉक 24-03-2020 में उल्लिखित दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

6. कार्यदायी संस्था को आवश्यकतानुसार धनराशि अवमुक्त की जायेगी। वित्त नियंत्रक का यह उत्तरदायित्व होगा कि धनराशि का कोषागार से आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाये।
7. प्रायोजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यो/स्थापना सम्बन्धी की दिरावृत्ति (डुप्लीकेसी) को रोकने की दृष्टि से महानिदेशक/प्रधानाचार्य द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा कि यह कार्य पूर्व में किसी अन्य योजना/कार्यक्रम के अन्तर्गत न तो स्वीकृत है और न वर्तमान में किसी अन्य योजना/कार्यक्रम में आच्छादित किया जाना प्रस्तावित है।
8. प्रायोजना अंतर्गत प्रयुक्त संबंधित उपकरण/संयंत्र के क्रय में सुसंगत वित्तीय नियमों, उ0प्र0 प्रोक्योरमेन्ट मैनुअल (प्रोक्योरमेन्ट ऑफ गुडस) 2016 के प्राविधानों तथा सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग द्वारा ई-टेण्डर/ई-प्रोक्योरमेन्ट/गर्वमेन्ट, ई-मार्केट प्लेस (जेम) पोर्टल से संबंधित शासनादेशों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
9. कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियॉ सुनिश्चित किए जाने का पूर्ण दायित्व सम्बन्धित प्रधानाचार्य का होगा।
10. प्रायोजना पर सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात् ही निर्माण प्रारम्भ कराया जाये।
11. कार्यदायी संस्था द्वारा आगणन में अनुमोदित सीमा तक ही सैंटेज चार्ज देय होगा।
12. प्रश्नगत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति से शासन को अवगत कराते हुए महालेखाकार को उपलब्ध कराया जायेगा।
13. प्रायोजना में सम्मिलित, जो कार्य प्रोप्राइटरी श्रेणी का कार्य है एवं इनके शिड्यूल ऑफ रेटस उपलब्ध नहीं होते है तथा इनके मेक, मॉडल एवं स्पेसिफिशन के अंतर से लागत में अन्तर आना स्वाभाविक है। अतः संबंधित प्रधानाचार्य द्वारा निर्माण के समय इसका कार्य एवं स्थापना सुसंगत वित्तीय नियमों के आधार पर किया जाये।
14. प्रायोजना का निर्माण स्वीकृत लागत में ही पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित कराया जाये। प्रायोजना का कोई पुनरीक्षित अनुमन्य नहीं होगा। प्रश्नगत कार्य अगस्त, 2020 तक पूर्ण किया जाय।
15. बाट आउट एवं प्रोप्राइटरी श्रेणी के कार्य हेतु सेन्टेज अनुमन्य नहीं होगा।
16. संबंधित परियोजना के आगणन में वर्णित लेबर सेस की कुल धनराशि इस शर्त के अधीन होगी कि श्रम विभाग को उक्त धनराशि का भुगतान किया जायेगा।

3- उक्त पर होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-31 के अधीन लेखाशीर्षक "2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-05-चिकित्सा शिक्षा-प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-एलोपैथी-03-शिक्षा-20-सहायता अनुदान सामान्य (गैर वेतन) के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग की सहमति से निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(अमित गुप्ता)
सचिव।

संख्या:-41/2020/747(1)/71-3-2020 तद्यदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, इलाहाबाद।
2. महालेखाकार (लेखा परीक्षा), प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, इलाहाबाद।
3. जिलाधिकारी, अयोध्या/बस्ती/बहराइच/फिरोजाबाद।
4. प्रधानाचार्य, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय अयोध्या/बस्ती/बहराइच/फिरोजाबाद।
5. वित्त नियंत्रक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ।
6. वित्त नियंत्रक, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, अयोध्या/बस्ती/बहराइच/फिरोजाबाद।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

7. प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, अयोध्या/बस्ती/बहराइच/फिरोजाबाद।
8. कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
9. कोषाधिकारी, अयोध्या/बस्ती/बहराइच/फिरोजाबाद।
10. नियोजन अनुभाग-4/वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2, वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(अनिल कुमार)
संयुक्त सचिव।

h tp:// hasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।